भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2685
04 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ

विषय- सिंचाई कवरेज की समीक्षा
2685. श्री मनीष जायसवालः
क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः
(क) क्या सरकार ने झारखंड के हजारीबाग जिले में सिंचाई कवरेज तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कृषि उपज की खरीद की समीक्षा की है;
(ख) गत तीन वर्षों के दौरान सिंचाई कवरेज, खरीद केंद्रों, खरीदी गई उपज की मात्रा तथा लाभान्वित किसानों का जिला-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार को हजारीबाग में अपर्याप्त सिंचाई सुविधाओं तथा खरीद अवसंरचना के संबंध में कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं; और
(घ) जिले में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने, खरीद अवसंरचना को सुदृढ़ करने तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं अथवा उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क) से (घ) जल राज्य का विषय है। सिंचाई परियोजनाओं की योजना बनाना, उनका कार्यान्वयन करना और उनका प्रबंधन करना तथा राज्य में व्यापक सिंचाई व्यवस्था को बनाने के लिए कार्य योजना तैयार करना संबंधित राज्य सरकार का दायित्व है। भारत सरकार की भूमिका तकनीकी सहायता प्रदान करने और कार्यान्वयन की जा रही योजनाओं के अंतर्गत चिह्नित परियोजनाओं के लिए आंशिक वित्तीय सहायता प्रदान करने तक सीमित है। जल शक्ति मंत्रालय (एमओजेएस), भारत सरकार प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) के त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (एआईबीपी) और हर खेत को पानी (एचकेकेपी) घटकों का कार्यान्वयन कर रहा है, जो बडी, मध्यम और लघु सिंचाई परियोजनाओं पर केंद्रित है। पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के अंतर्गत झारखंड राज्य में सुबर्णरेखा बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना कार्यान्वित है, जिससे झारखंड के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिलों को लाभ मिल रहा है। वर्ष 2011-12 में एआईबीपी के अंतर्गत परियोजना को शामिल किए जाने के बाद से, राज्य सरकार को परियोजना के लिए 1889.62 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता जारी की गई है और इन जिलों में 113.59 हजार हेक्टेयर सिंचाई क्षमता (आईपी) का सृजन किया गया है, तथापि, आईपी के जिलेवार विवरण केंद्र स्तर पर नहीं रखा जाता है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी) केंद्रीय प्रायोजित योजना का कार्यान्वयन झारखंड सहित देश भर में कर रहा है। यह योजना सूक्ष्म सिंचाई प्रौद्योगिकियों, नामतः ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणालियों के माध्यम से कृषि स्तर पर जल उपयोग दक्षता बढ़ाने पर केंद्रित है। झारखंड में पीडीएमसी के माध्यम से सूक्ष्म सिंचाई के अंतर्गत 54095 हेक्टेयर क्षेत्र को शामिल किया गया है और वर्ष 2015-16 से अब तक 338.38 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता जारी की गई है। हजारीबाग जिले में, 2015-16 से पीडीएमसी के माध्यम से सूक्ष्म सिंचाई के अंतर्गत 2782 हेक्टेयर क्षेत्र को शामिल किया गया है। राज्य सरकार द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन वर्ष मे सूक्ष्म सिंचाई के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र का जिलावार विवरण अनुबंध-I में दिया गया है। केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राज्य सरकार के साथ नियमित रूप से समीक्षा की जाती है, यद्यपि जिला स्तर पर कार्यान्वयन की समीक्षा राज्य सरकार का उत्तरदायित्व है।

भारत सरकार द्वारा रखे जा रहे भूमि उपयोग सांख्यिकी डेटाबेस के अनुसार शुद्ध सिंचित क्षेत्र 225.82 हजार हेक्टेयर है। झारखंड में शुद्ध सिंचित क्षेत्र और सकल सिंचित क्षेत्र का जिलावार विवरण अनुबंध-II में दिया गया है।

खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की खरीद नीति और कामकाज की ज़रूरतों के अनुसार, न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर कृषि उत्पादों की खरीद तय केंद्रीय और राज्य सरकारों/ एजेंसियों द्वारा की जाती है। खरीद केंद्रों की संख्या और जगह समेत खरीद से जुड़ी व्यवस्थाएं, संबंधित राज्य सरकार और खरीद एजेंसियां उत्पादन, बाज़ार में आवक और अन्य स्थानीय बातों को ध्यान में रखकर करती हैं। राज्य सरकार ने बताया है कि हज़ारीबाग़ ज़िले में खरीद के लिए अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के बारे में कोई शिकायत नहीं मिली है। खरीद योजनाओं और उनकी प्रगति की समीक्षा राज्य सरकार और संबंधित एजेंसियों के साथ नियमित रूप से की जाती है ताकि उन्हें ठीक से लागू किया जा सके। केंद्र सरकार के पास उपलब्ध झारखंड में धान खरीद तथा इससे लाभान्वित किसानों की संख्या और राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार पिछले तीन वर्षों के दौरान हज़ारीबाग जिले में खरीद, इससे लाभान्वित किसानों की संख्या तथा केंद्रों की संख्या का विवरण तालिका में दिया गया है। जिलेवार धान खरीद तथा खरीद केंद्रों का विवरण केंद्र स्तर पर नहीं रखा जाता है।

खरीफ़ विपणन सीज़न	झारखंड		हज़ारीबाग़ ज़िला		
	खरीदा गया धान (मीट्रिक टन)	लाभान्वित किसानों की संख्या	खरीदा गया धान (मीट्रिक टन)	लाभान्वित किसानों की संख्या	खरीद केंद्रों की संख्या
2023-24	73962	10927	23862	5394	69
2024-25	205651	58858	50793	9615	70
2025-26	155571	78058	48963	10805	83

इसके अतिरिक्त, सरकार किसानों को मूल्य सहायता प्रदान करने के लिए एकीकृत प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) का कार्यान्वयन कर रही है, जिसमें मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस), भावांतर भुगतान योजना (पीडीपीएस) और बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) शामिल हैं। इन योजनाओं के तहत, राज्य सरकारों के प्रस्तावों के आधार पर तिलहन और दलहन की खरीद की जाती है। तथापि, झारखंड राज्य द्वारा इन योजनाओं के तहत खरीद के लिए कोई प्रस्ताव नहीं दिया गया है।

भारत सरकार झारखंड राज्य सहित देश भर में कृषि के समग्र और सतत विकास तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं का कार्यान्वयन करती है। इन योजनाओं को राज्य सरकारें विभिन्न जिलों में अपनी प्राथमिकता के अनुसार कार्यान्वित करती हैं। इन योजनाओं में दलहन आत्मनिर्भरता मिशन, राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिलहन (एनएमईओ-ओएस), राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन (एनएफएसएनएम), प्रति बूंद अधिक फसल, वर्षा सिंचित क्षेत्र विकास, मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना, परंपरागत कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय प्राकृतिक कृषि मिशन, एकीकृत बागवानी विकास मिशन, कृषि वानिकी मिशन, राष्ट्रीय बांस मिशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, कृषि मशीनीकरण उप-मिशन, ई-नाम (राष्ट्रीय कृषि बाजार), राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) आदि शामिल हैं।

दिनांक 04.08.2026 के एलएसपीक्यू 2685 का अनुबंध-I

झारखंड में विगत तीन वर्षों के दौरान सूक्ष्म सिंचाई के अंतर्गत शामिल क्षेत्र और प्रति बूंद अधिक फसल योजना के लाभार्थियों की संख्या का जिलावार विवरण

क्र. सं.	ज़िला	2023-24		2024-25		2025-26		कुल	
		क्षेत्र (हे.)	लाभार्थी	क्षेत्र (हे.)	लाभार्थी	क्षेत्र (हे.)	लाभार्थी	क्षेत्र (हे.)	लाभार्थी
1	बोकारो	170.48	280	148.22	242	308.93	467	627.63	989
2	चतरा	172.10	263	149.46	213	175.57	282	497.13	758
3	देवघर	85.99	145	148.65	191	248.35	344	482.99	680
4	धनबाद	99.25	230	83.14	192	151.81	245	334.20	667
5	दुमका	231.34	369	203.64	306	357.46	540	792.44	1215
6	गढ़वा	181.09	408	151.01	301	545.63	911	877.73	1620
7	गिरिडीह	146.84	257	153.49	218	283.53	412	583.86	887
8	गोड्डा	343.26	510	311.41	465	678.55	943	1333.22	1918
9	गुमला	419.97	684	256.66	266	280.40	383	957.03	1333
10	**हजारीबाग**	**66.49**	**96**	**269.21**	**254**	**174.42**	**127**	**510.12**	**479**
11	जमशेदपुर	294.43	454	235.90	356	150.36	235	680.69	1045
12	जामताड़ा	117.33	203	112.79	178	271.07	357	501.19	738
13	खुंटी	284.33	496	244.02	391	363.18	541	891.53	1428
14	कोडरमा	64.41	63	98.74	120	181.40	212	344.55	395
15	लातेहार	240.57	515	200.26	340	218.20	343	659.03	1198
16	लोहरदगा	286.64	605	232.35	366	298.34	436	817.33	1407
17	पाकुर	71.42	173	118.98	274	126.10	252	316.50	699
18	पलामू	158.10	218	146.96	231	716.48	1029	1021.54	1478
19	रामगढ़	1.27	2	133.28	216	90.69	158	225.24	376
20	रांची	1046.48	1700	854.34	1247	973.71	1258	2874.53	4205
21	साहिबगंज	366.84	654	480.58	846	428.45	701	1275.87	2201
22	सराईकेला	260.13	467	205.81	283	202.53	355	668.47	1105
23	सिमडेगा	11.75	22	156.38	246	31.81	51	199.94	319
24	पश्चिम सिंहभूम	175.00	356	148.90	296	276.05	470	599.95	1122
	कुल	**5295.51**	**9172**	**5244.18**	**8038**	**7533.02**	**11052**	**18072.71**	**28262**

दिनांक 04.08.2026 के एलएसपीक्यू 2685 का अनुबंध-II

झारखंड राज्य में निवल सिंचित क्षेत्र और सकल सिंचित क्षेत्र का जिलावार विवरण

हेक्टेयर में

क्र.सं.	ज़िला	निवल सिंचित क्षेत्र	सकल सिंचित क्षेत्र
1.	बोकारो	2371	2590
2.	चतरा	6661	17087
3.	देवघर	11678	24875
4.	धनबाद	1883	11708
5.	दुमका	4173	13266
6.	पूर्वी सिंहभूम	1038	1448
7.	गढ़वा	36973	47179
8.	गिरिडीह	51318	57620
9.	गोड्डा	6969	16442
10.	गुमला	9734	11457
11.	**हजारीबाग**	**12120**	**17423**
12.	जामताड़ा	2977	7454
13.	खुंटी	4987	6072
14.	कोडरमा	2820	7384
15.	लातेहार	12893	17635
16.	लोहरदगा	9029	15348
17.	पाकुर	3987	5303
18.	पलामू	18521	23758
19.	रामगढ़	2260	3669
20.	रांची	13165	17854
21.	साहिबगंज	3913	5646
22.	सरायकेला खरसावां	494	629
23.	सिमडेगा	4802	8834
24.	पश्चिम सिंहभूम	1062	3316
	कुल	**225828**	**343997**

स्रोत: भूमि उपयोग सांख्यिकी डेटाबेस

*****